एचएसई दृष्टि

स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण निष्पादन के लक्ष्य एवं प्राप्ति में एक अग्रणी बनना

एचएसई रणनीतिक लक्ष्य

कोई दूर्घटना नहीं, लोगों को कोई नुकसान नहीं और पर्यावरण संरक्षण का संवर्धन

<u>क्यूएचएसई नीति</u>

स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली

ओएनजीसी विदेश अपने परिचालन क्षेत्रों के अंदर और आसपास व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को उच्चतम प्राथमिकता प्रदान करता है। इसने 'क्यूएचएसई एवं जोखिम प्रबंधन संबंधी एकीकृत नीति' क्रियान्वित की है, जो सभी संबंधित क्षेत्रों की व्यापक रूप से प्रबंध करती है।

ओएनजीसी विदेश ''विदेश में तेल एवं गैस फील्डों के अधिग्रहण के लिए कारोबार विकास गतिविधियों और ओवीएल मुख्यालय में अन्वेषणात्मक, विकासात्मक और उत्पादनकारी परिसंपत्तियों के प्रबंधन'' दायरे के साथ संशोधित मानक आईएसओ 9001:2015 (गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली), आईएसओ 14001:2015 (पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली) एवं ओएचएसएएस 18001:2007 (व्यवसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली) के अनुरूप एकीकृत क्यूएचएसई प्रबंधन प्रणाली के लिए प्रमाणित है।

एचएसई प्रबंधन प्रणाली के तत्व

एचएसई प्रबंधन प्रणाली के तत्व

तत्व सं..	एचएसईएमएस तत्व	प्रमाचार (एड्रेसिंग)
तत्व 1	नेतृत्व, एचएसई नीति और सतत सुधार	प्रणाली की सफलता एवं सतत सुधार के लिए आवश्यक टॉप - डाउन प्रतिबद्धता

		एवं निगमित आशय
तत्व 2	खतरा / स्वरूप निर्धारण, जोखिम / प्रभाव आकलन एवं नियंत्रण निश्चयन	**आयोजना** एचएसई नीति के अनुसरण मे परिणाम देने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं और उद्देश्यों की स्थापना / आयोजना
तत्व 3	कानूनी एवं अन्य अपेक्षाएं	
तत्व 4	प्रयोजन, लक्ष्य और कार्यक्रम	
तत्व 5	संसाधन, भूमिका, जिम्मेवारी, उत्तरदायित्व एवं प्राधिकार	**क्रियान्वयन एवं परिचालन** प्रभावी एचएसई प्रबंधन प्रणाली के लिए प्रक्रियाओं का विकास और क्रियान्वयन
तत्व 6	सक्षमता, प्रशिक्षण एवं जागरुकता	
तत्व 7	संप्रेषण, प्रतिभागिता एवं परामर्श	
तत्व 8	प्रलेखीकरण एवं प्रलेख नियंत्रण	
तत्व 9	परिचालन नियंत्रण	
तत्व 10	आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया	
तत्व 11	निगरानी एवं मापन	**जॉच एवं उपचारात्मक कार्रवाई** निष्पादन निगरानी और जब आवश्यक हो किस प्रकार उपचारात्मक कार्रवाई की जा सके
तत्व 12	घटना विवेचन, गैर -अनुपालन, सुधारात्मक कार्रवाई एवं निरोधक कार्रवाई	
तत्व 13	अभिलेख नियंत्रण	
तत्व 14	आंतरिक लेखा परीक्षा	
तत्व 15	समीक्षा प्रबंधन	**समीक्षा** प्रणालीगत निष्पादन, प्रभाविता और मूलभूत उपयुक्तता का आवधिक मूल्यांकन

एचएसई प्रतिबद्धता

1.

- प्रबंधन आवश्यक संसाधन प्रदान कर और एचएसई प्रदर्शन को मापकर, समीक्षा कर और लगातार सुधार ला कर एचएसई नीति, एचएसई उद्देश्य, भूमिका और जिम्मेवारी को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

- प्रबंधन, व्यक्तिगत दृष्टांत द्वारा, कार्य पर और कार्य से दूर, सकारात्मक एचएसई संव्यवहार का एक आदर्श स्थापन और सकारात्मक व्यवहार को प्रबलित और पुरस्कृत करना।
- प्रबंधन न सिर्फ प्रयोज्य सांविधिक नियमों और विनियमों की अनुपालना सुनिश्चित करने अपितु मानकों से परे जाने के प्रति भी कटिबद्ध है।
- प्रबंधन दैनिक टूल बॉक्स बैठक को संवादात्मक सत्र बनाने के प्रति कटिबद्ध है, जो इसके सभी कर्मचारियों, संविदाकारों और साथ ही समाज के सक्रिय सम्मिलन से निष्पादित गतिविधियों में परिलक्षित होगा।
- प्रत्येक व्यक्ति जो ओवीएल के लिए कार्य करता है, एचएसई के प्रति कटिबद्ध है और कार्य लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी एचएसई नियम, मानक और मार्गदर्शन के अनुपालन के प्रति जिम्मेदार है।
- एचएसई दिशानिर्देशों का अनुपालन प्रत्येक स्तर पर अनिवार्य है।

हमारी आस्था

- सभी आघात, व्यावसायिक रूग्णता और पर्यावरण क्षति को रोका जा सकता है।
  एचएसई हमारे कारोबार का आधार है।
- एचएसई तरीके से काम करने से उत्पादकता, लाभप्रदता और संधारणीयता हमेशा बढ़ती है।
- कोई भी कार्य इतना महत्वपूर्ण नहीं हो सकता है कि इसे सुरक्षित तरीके से नहीं किया जा सकता है।
- कर्मचारियों की सहलग्नता, प्रतिपुष्टि, और अभिज्ञान एचएसई के लिए आधारभूत हैं।
  सही ढ़ंग से कार्य करना एचएसई व्यवहार है।
- निम्नलिखित प्राथमिकता के आधार कार्यस्थल जोखिम कम किया जाएगा :
  1. उन्मूलन
  2. प्रतिस्थापन
  3. इंजीनियरिंग नियंत्रण
  4. साइनेज / चेतावनी और / अथवा प्रशासनिक नियंत्रण
  5. व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण

- एचएसई केवल कुछ विशेषज्ञों का कार्य नहीं है। यह प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेवारी है और प्रत्येक व्यक्ति अंतर ला सकता है।
- कार्य से परे सुरक्षा हमारी समग्र सुरक्षा प्रयास का एक महत्वपूर्ण तत्व है।
- आघातों और व्यावसायिक रूग्णता की रोकथाम करने, पर्यावरण का संरक्षण करने, एचएसई को एक प्राथमिकता के रूप में स्पष्ट रूप से और सतत रूप से स्थापित करने के लिए प्रबंधन प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार है,
- कर्मचारी और संविदाकार अपने कार्यों के लिए जिम्मेदार और उत्तरदायी हैं।
- किसी प्रतिरोध के भय के बिना प्रत्यक्ष और आसन्न खतरों और पर्यावरण पहलूओं के बारे में प्रबंधन को सूचित करना कर्मचारी और संविदाकार की जवाबदेही है। प्रत्येक का दायित्व है कि वह कोई ऐसा कार्य न करे जो असुरक्षित हो और उन्हें समय पर और पर्याप्त प्रत्युत्तर प्राप्त करने का अधिकार है।
- किसी एचएसई कार्यक्रम की सफलता में लोग सर्वाधिक महत्वपूर्ण तत्व हैं।

संधारणीयता रिपोर्टिंग

वित्त वर्ष 2012-13 से, ओएनजीसी विदेश ने अपनी संधारणीयता रिपोर्ट बनाना शुरु कर दिया है। वित्त वर्ष 2013-14 से, ओएनजीसी विदेश संधारणीयता रिपोर्टिंग ओएनजीसी समूह संधारणीयता रिपोर्टिंग का हिस्सा रही है। वित्त वर्ष 2016 में, संधारणीयता रिपोर्टिंग वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) जी3 से जीआरआई जी4 दिशानिर्देशों में परिवर्तित हो गयी।

जिम्मेदार निवेश के सिद्धांत (पीआरआई) के प्रकट होने के साथ, कई अन्य रिपोर्टिंग ढांचे बाजारों में उभरे, हितधारकों / निवेशकों के विभिन्न समूहों की चिंताओं को दूर करने के लिए, कंपनियों का अब उनके ईएसजी प्रदर्शन के सापेक्ष मूल्यांकित और श्रेणीकृत किया जाने लगा है और वे क्रेडिट रेटिंग को भी कंपनियों के साथ-साथ निवेशकों के विश्वास को भी प्रभावित करते हैं। योग्यता को ध्यान में रखते हुए, ओएनजीसी प्रबंधन ने निर्देश दिया कि वित्त वर्ष 2019-20 से ओएनजीसी समूह की कंपनी की जीआरआई आधारित ईएसजी रिपोर्टिंग को संधारणीयता रिपोर्ट के साथ अपनाया जाना है। इसके बाद, ओएनजीसी प्रबंधन ने रिपोर्टिंग पर उभरते रिपोर्टिंग रुझानों और सेबी दिशानिर्देशों पर ध्यान दिया और वित्त वर्ष 2020-21 से संधारणीयता

रिपोर्ट / ईएसजी रिपोर्ट के स्थान पर ओएनजीसी समूह की कंपनियों की एकीकृत रिपोर्टिंग को अपनाने की इच्छा जताई है।

संधारणीयता रिपोर्ट वित्त वर्ष 2013-14

संधारणीयता रिपोर्ट वित्त वर्ष 2014-15

संधारणीयता रिपोर्ट वित्त वर्ष 2015-16

संधारणीयता रिपोर्ट वित्त वर्ष 2016-17

संधारणीयता रिपोर्ट वित्त वर्ष 2017-18

संधारणीयता रिपोर्ट वित्त वर्ष 2018-19

पर्यावरणीय, सामाजिक एवं प्रबंध रिपोर्ट - 2019-20

वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए ओएनजीसी समूह की कंपनियों की एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट

उद्यम जोखिम प्रबंधन

शेयर सूचीकरण समझौता के खंड 49 और निगमित अभिशासन संबंधी डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप, ओएनजीसी विदेश वर्ष 2012 में उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) प्रणाली शुरु किया था, जिसे बाद में आईएसओ 31000:2009 के अनुरूप संरेखित किया गया, जो जोखिम प्रबंधन पर वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त मानक है।

जोखिमों का उनके कारणों और शमन कारकों के साथ मानचित्रण किया गया है, जिसकी सावधिक आधार पर निगरानी की जाती है। जोखिम संसूचना अवसंरचना स्थापित दी गयी है।

जोखिम प्रबंधन नीति